कतर्नियाि घड़ियाल कंजर्वेशन व रसिर्च सेंटर के रूप में होगा वकिसति

चर्चा में क्यों?

7 नवंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़लि के डीएफओ आकाशदीप बधावन ने बताया कि कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में घड़ियाल कंजर्वेशन व रसिर्च सेंटर बनाया जाएगा।

प्रमुख बदिु

- इसके लयि 10 सदस्यीय शोध और प्रशकि्षुओं का दल कतर्नयिा पहुँच गया है। यहाँ तीन महीने रहकर यह दल घड़ियाल पर डाक्यूमेंट्री फलि्म तैयार करेगा।
- जलीय क्षेत्र में घड़ियाल के कुनबों को बढ़ाने व उनके रहन-सहन पर रसिर्च कर शोध-पत्र तैयार कयि जाएगा। इसी के आधार पर सरकार पर्यटन स्थल के स्वरूप व घड़ियाल रसिर्च सेंटर तक की योजना को अंतमि रूप देगी।
- गौरतलब है कि भारत-नेपाल सीमा से कतर्नयिाघाट वन्यजीव प्रभाग लगा हुआ है। 551 वर्ग कलिोमीटर में प्रभाग में बाघ, तेंदुआ, हाथी, गैंडा समेत कई तरह के दुर्लभ वन्यजीव व पक्षयिों का बसेरा है। कतर्नयिा के बीच होकर बहने वाली गेरुआ नदी के छह कलिोमीटर के दायरे में घड़ियाल के कुनबों का बसेरा रहता है। देश भर में कतर्नयिाघाट घड़ियाल कंजर्वेशन के रूप में ही शुरुआत से जाना जाता है।
- अब इसी पहचान को राष्ट्रीय व वशि्व फलक पर चमकाने की तैयारी हो रही है। इसके तहत घड़ियालों के कुनबों को बढ़ाने के साथ ही घड़ियाल सेंटर के आकार को भी बदलने की योजना बन रही है।
- 10 सदस्यीय टीम में तीन शोधकर्त्ता, छह प्रशकि्षु शोधकर्त्ता व एक मूवी मेकर शामलि हैं। यह टीम तीन माह कतर्नयिा में रहकर शोध करेगी। शोध रपिोर्ट के आधार पर सेंटर का स्वरूप तैयार कयि जाएगा।
- कतर्नयिाघाट पर फलि्म बनाई जा चुकी है, लेकनि वशिेषकर घड़ियाल पर पहली बार डाक्यूमेंट्री फलि्म बनाने की तैयारी हो रही है। फलि्म में कतर्नयिा के शोध-पत्रों को भी शामलि कयि जाएगा, ताकि भवषि्य में छात्रों को शोधपरक सामग्री आसानी से मलि सके।
- गेरुआ में 12 पूल बने हुए हैं। इनमें से तीन पूल में कछुआ का बसेरा है, जबकि एक पर मगरमच्छों का कब्ज़ा है। वहीं छह पूलों में घड़ियालों का कुनबा रहता है। जसि तेजी से इनकी संख्या बढ़ रही है, ऐसे में पूल कम और आकार में छोटे पड़ रहे हैं। बड़े घड़ियाल चार से पाँच फूट के होते हैं। एक पूल में छह से ज़्यादा नहीं रह सकते हैं।
- डीएफओ ने बताया कि वाइल्ड लाइफ से दशकों से जुड़ी मूवी मेकगि की बंगलूरू की वशिेषज्ञ त्रशिाला अशोक भी टीम के साथ आई हुई हैं। रसिर्च में कॉलेज के छात्रों को भी जोड़ा जाएगा। इसमें मूवी मेकगि में रुचि रखने वाले छात्रों को वशिेषज्ञ जानकारी साझा कर उनकी जज्ञिासा बढ़ाएंगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/katarnia-gharial-conservation-and-research-center